UPSC Prelims- 2019

आधुनिक इतिहास

पूछे गए प्रश्न

विस्तृत समाधान

सही दृष्टिकोण

PrepMate आधुनिक इतिहास पुस्तक का प्रदर्शन

1. भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. महात्मा गाँधी 'गिरमिटिया (इंडेंचर्ड लेबर) प्रणाली के उन्मूलन में सहायक थे।

2. लॉर्ड चेम्सफोर्ड की 'वॉर कॉन्फरेन्स' में महात्मा गाँधी ने विश्व युद्ध के लिए भारतीयों की भरती से संबंधित प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया था।

3. भारत के लोगों द्वारा नमक कानून तोड़े जाने के परिणामस्वरूप, औपनिवेशिक शासकों द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को अवैध घोष्ति कर दिया गया था।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

Sol. 1 (b) केवल 1 और 3

कथन 2 और 3 का स्रोत: PrepMate आधुनिक इतिहास पुस्तक, अध्याय 9, पृष्ठ 131 और अध्याय 14, पृष्ठ 223

कथन 1 सही है। महात्मा गांधी ने अधिकारियों पर भारत में गिरमिटिया श्रम को खत्म करने का दबाव बनाया। इस दबाव के कारण वर्ष 1917 में गिरमिटिया श्रम को समाप्त कर दिया गया।

कथन 2 गलत है। महात्मा गांधी ने प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटिशों का समर्थन किया। बल्कि, उन्हें ब्रिटिश युद्ध के प्रयासों का समर्थन करने के लिए कैसर-ए-हिंद के साथ सम्मानित किया गया था।

अध्याय 9, पृष्ठ 131

प्रथम विश्व युद्ध और राष्ट्रवादियों की अंग्रेजी साम्राज्य के प्रति नीति

जुलाई 1914 में प्रथम विश्व युद्ध शुरू हो गया और यह प्रश्न उभर आया कि क्या भारतीयों को ब्रिटिश युद्ध प्रयासों का समर्थन करना चाहिए। राष्ट्रवादी प्रतिक्रिया चौहरी थी:

1. उदारवादियों ने अपना कर्तव्य समझकर अंग्रेजों का समर्थन किया।
2. बाल गंगाधर तिलक सहित अन्य उग्रपंथियों ने इस झूठी धारणा के साथ युद्ध में अंग्रेजों का समर्थन किया कि ब्रिटिश भारत की वफादारी का मूल्य चुकाएंगें और स्व-शासन की स्थापना करेंगें।
3. क्रांतिकारियों ने इस अवसर का उपयोग करने का निर्णय लिया और भारत को स्वतंत्र कराने के लिए अपनी गतिविधियों में वृद्धि की। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान गदर पार्टी आंदोलन ने सिंगापुर में तैनात सिख रेजिमेंट में एक महान विद्रोह की योजना बनाई थी।
4. महात्मा गांधी 9 जनवरी 1915 को दक्षिण अफ्रीका से वापस भारत लौटे। उनके विचार भी उग्रपंथियों के समान थे।

कथन 3 सही है।

अध्याय 14, पृष्ठ 223

कांग्रेस के मंत्रियों द्वारा किए गए काम

1. **नागरिक स्वतंत्रता**
   (a) आपातकालीन शक्तियों को निरस्त कर दिया गया था।
   (b) कांग्रेस पर से प्रतिबंध हटा दिया गया था।
   (c) राजनीतिक कैदियों को रिहा कर दिया गया था।
   (d) सिविल अवज्ञा आंदोलन में भाग लेने वाले सरकारी कर्मचारियों की पेंशन बहाल कर दी गई थी।
2. **कृषि सुधार**
   (a) कृषि ऋण में बड़े पैमाने पर राहत दी गई थी।
   (b) बकाया किराए, जिनका भुगतान सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान नहीं किया गया था, माफ कर दिए गए थे।
   (c) भूमि किराया और राजस्व में कटौती कर दी गई थी।
   (d) सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान जब्त हुई भूमि वापस कर दी गई थी।
3. **श्रमिकों की स्थिति में सुधार**
   (a) श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी सुरक्षित कर दी गई थी।
   (b) श्रमिकों के बीच युनियनों के गठन को प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठाए गए।

2. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

व्यक्ति : धारित पद

1. सर तेज बहादुर सप्रू : अध्यक्ष, अखिल भारतीय उदार संघ

2. के. सी. नियोगी : सदस्य, संविधान सभा

3. पी. सी. जोशी : महासचिव, भारतीय साम्यवादी दल

उपर्युक्त में से कौन-सा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 3

(d) 1, 2 और 3

Sol. 2 (d) 1, 2 और 3

कथन 1 का स्रोत: PrepMate आधुनिक इतिहास पुस्तक, अध्याय 15, पृष्ठ 259

कथन 1 सही है।

तेज बहादुर सप्रू

सर तेज बहादुर सप्रू (1875-1949) एक प्रमुख भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, वकील और राजनेता थे। उन्होंने भारतीय संविधान के प्रारूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह लिबरल पार्टी के नेता थे।

हालांकि शुरुआत में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य, सप्रू ने भारत की लिबरल पार्टी में शामिल होने के लिए कांग्रेस को छोड़ दिया था। जबकि उन्होंने स्वराज (आत्म नियम) का समर्थन किया, सप्रू ने इस बात की वकालत की कि ब्रिटिश अधिकारियों से बातचीत के माध्यम से अधिक राजनीतिक अधिकारों को हासिल किया जा सकता है।

अहिंसक सत्याग्रह की वकालत करने वाले महात्मा गांधी का महत्व बढ़ने के बाद, सप्रू और अन्य उदारवादी ने कांग्रेस के साथ सहयोग किया। संवाद के माध्यम से आज़ादी हासिल करने के लिए उत्सुक सप्रू और अन्य उदारवादी राजनेताओं ने, अंग्रेजों द्वारा स्थापित केंद्रीय और प्रांतीय विधायिकाओं में भाग लिया।

सप्रू ने संयुक्त प्रांत की विधान परिषद एवं शाही विधान परिषद में तथा वाइसरॉय परिषद में कानून मामलों के सदस्य के रूप में कार्य किया। उन्हें नाइट की उपाधि दी गई और 1934 में प्रिवी परिषद (Privy Council) का सदस्य नियुक्त किया गया।

कथन 3 सही है। पी. सी. जोशी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव थे।

एक बार जब हम जान जाते हैं कि कथन 1 और 3 सही हैं, तो उत्तर विकल्प (d) है।

3. 'चार्टर ऐक्ट', 1813' के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसने भारत में ईस्ट इंडिया कम्पनी के व्यापार एकाधिपत्य को, चाय का व्यापार तथा चीन के साथ व्यापार को छोड़कर, समाप्त कर दिया।

2. इसने कम्पनी द्वारा अधिकार में लिए गए भारतीय राज्य क्षेत्रों पर ब्रिटिश राज (क्राउन) की सम्प्रभुता को सुदृढ़ कर दिया।

3. भारत का राजस्व अब ब्रिटिश संसद के नियंत्रण में आ गया था।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

Sol. 3 (a) केवल 1 और 2

कथन 1 का स्रोत: PrepMate आधुनिक इतिहास पुस्तक, अध्याय 7, पृष्ठ 75

कथन 1 सही है: हालाँकि इस अधिनियम ने बीस वर्षों की एक और अवधि के लिए चार्टर का नवीनीकरण किया, लेकिन इसने चाय में व्यापार और चीन के साथ व्यापार को छोड़कर भारत में व्यापार करने के लिए कंपनी के एकाधिकार को छीन लिया।

4. चार्टर अधिनियम, 1813 (Charter Act): इस अधिनियम ने भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के एकाधिकार को समाप्त कर दिया था। इस प्रकार, अन्य अंग्रेजी कंपनियों को भी भारत में व्यापार करने की अनुमति मिल गई।

कथन 2 सही है: 1813 अधिनियम ने कंपनी द्वारा रखे गए भारतीय क्षेत्रों पर ब्रिटिश क्राउन की संप्रभुता का उल्लेख किया।

कथन 3 सही नहीं है: 1853 के अधिनियम से, ब्रिटिश संसद द्वारा भारत के राजस्व को नियंत्रित किया गया था।

4. स्वदेशी आंदोलन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसने देशी शिल्पकारों के कौशल तथा उद्योगों को पुनर्जीवित करने में योगदान किया।

2. स्वदेशी आंदोलन के एक अवयव के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा परिषद् की स्थापना हुई थी।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

Sol. 4 (c) 1 और 2 दोनों

स्रोत: PrepMate आधुनिक इतिहास पुस्तक, अध्याय 9, पृष्ठ 114-115

इस आंदोलन को राजनीतिक और आर्थिक दोनों उद्देश्यों से शुरू किया गया था। इसका राजनीतिक उद्देश्य स्व-शासन की स्थापना और भारत में ब्रिटिश शासन को बदनाम करना था। इसका आर्थिक उद्देश्य भारत का औद्योगिकीकरण और ब्रिटिश निर्मित वस्तुओं पर निर्भरता को कम करना था।

आंदोलन का प्रसार

विभाजन की तारीख 16 अक्टूबर 1905 थी। विभाजन के दिन, लोगों ने आपसी एकजुटता दिखाने के लिए एक दूसरे के हाथों पर 'राखी' बाँधी, उपवास किया और गंगा में स्नान किया।

इस आंदोलन में सांस्कृतिक पुनरुत्थान और राष्ट्रवादी साहित्य पर जोर दिया गया था। इस समय के दौरान, रबींद्रनाथ टैगोर ने 'आमार शोनार बांग्ला' (जो बाद में स्वतंत्र बांग्लादेश का राष्ट्रगान बन गया) लिखा था।

'इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरिएंटल आर्ट (Indian Society of Oriental Art)' की स्थापना 1907 में की गई थी और नंदलाल बोस यहां छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले पहले चित्रकार थे। इस सोसाइटी ने बाद में 'रुपम' नामक एक पत्रिका भी प्रकाशित की थी।

राष्ट्रवादी आधारों पर शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए, 1906 में राष्ट्रीय शिक्षा परिषद (National Council of Education) की स्थापना की गई थी। इस परिषद के तहत कई स्कूल और कॉलेज स्थापित किए गए तथा स्थानीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाया गया। स्थापित कॉलेजों में से एक बंगाल का नेशनल कॉलेज था। इस कॉलेज के पहले प्रधानाचार्य अरबिंदो घोष थे। तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए, बंगाल तकनीकी संस्थान की स्थापना की गई थी।

5. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिएः

आंदोलन/संगठन – संगठननायक (लीडर)

1. अखिल भारतीय अस्पृश्यता विरोधी लीग - महात्मा गांधी

2. अखिल भारतीय किसान सभा- स्वामी सहजानंद सरस्वती

3. आत्मसम्मान आंदोलन - ई,वी. रामास्वामी नायकर

उपर्युक्त में से कौन-सा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

Sol. 5 (d) 1, 2 और 3

स्रोत: PrepMate आधुनिक इतिहास पुस्तक; कथन 1 - अध्याय 3, पृष्ठ 32; कथन 2 - अध्याय 4, पृष्ठ 54; कथन 3- अध्याय 3, पृष्ठ 31

कथन 1

अखिल भारतीय जाति आंदोलन

1. गांधीजी का हरिजन आंदोलन: गांधी जी ने 1932 में हरिजन आंदोलन शुरू किया था। उन्होंने हरिजन सेवक संघ की स्थापना की थी, जो पूरे भारत में हरिजनों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देती थी।

इसके अलावा, उन्होंने अखिल भारतीय अस्पृश्यता विरोधी लीग (All India anti-untouchability League) की स्थापना की थी जिसके समस्त भारत में कार्यलय थे जो हरिजनों को वोकेशनल ट्रेनिंग देते थे। उन्होंने हरिजनों के अधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए साप्ताहिक "हरिजन" भी प्रकाशित किया और नवंबर 1933 से अगस्त 1934 तक पूरे देश का दौरा किया।

कथन 2

एका और किसान सभा आंदोलन

क्षेत्रीय स्तर पर किसानों को एकजुट करने के लिए गांधीवादी नेताओं द्वारा एका आंदोलन शुरू किया गया था। एका आंदोलन ने क्षेत्रीय किसान सभाओं का गठन किया, जैसे कि बाबा राम चंद्र की अध्यक्षता में अवध किसान सभा, स्वामी सहजानंद सरस्वती की अध्यक्षता में बिहार किसान सभा और एन.जी. रंगा की अध्यक्षता में आंध्र किसान सभा का गठन हुआ।

क्षेत्रीय किसान सभाओं ने सक्रिय रूप से सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लिया। बाद में, 1936 में अखिल भारतीय किसान सभा का गठन किया गया था, जिसके अध्यक्ष स्वामी सहजानंद सरस्वती और सचिव एन.जी. रंगा थे।

कथन 3

6. आत्म सम्मान आंदोलन (Self-Respect Movement): अनुसूचित जातियों में आत्मसम्मान की भावना पैदा करने तथा समान मानवाधिकार दिलाने के उद्देश्य से आत्म-सम्मान आंदोलन शुरू किया गया था। इस आंदोलन की शुरुआत 1925 में तमिलनाडु में ई.वी.रामासामी नायकर (उनके अनुयाई उन्हें पेरियार कहते थे) ने की थी। पेरियार ने "कुडी अरासु" नामक पत्रिका प्रकाशित की थी।